# मेवाड़ विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस मनाया

**गंगरार, 5 सितम्बर (जसं.)।** किताबें जीवन की सबसे बड़ी पूँजी होतीं हैं। आज के तकनीकी युग में हम किताबें पढ़ना भूल गए हैं। हमें यह याद रखना होगा कि शिक्षक की जगह इन्टरनेट कभी नहीं ले सकता।

उक्त विचार मेवाड़ विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस पर सभी विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए ललित कला संकायाध्यक्षा प्रो. डॉ. चित्रलेखा सिंह न व्यक्त किये। उन्होंने शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें एक अच्छे शिक्षक के गुण भी स्वयं में उत्पन्न करने होंगे। साथ ही समय-समय पर अपने आप को अपडेट करते रहना चाहिए। कार्यक्रम में छात्रों एवं शिक्षकों ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का संचालन उर्वशी श्रोत्रिय और रजनी ठाकुर ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एसार अहमद ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना व समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर शशिवेन्द्र दुलावत, अभिषेक उपाध्याय एवं अंशल कुमार मौजूद रहें। वहीं डीएलएड विभाग ने भी विभागीय स्तर पर शिक्षक दिवस मनाया। डीएलएड डिपार्टमेंट की विभागाध्यक्षा डॉ. पूजा गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर डॉ. अरुणा दूबे, डॉ. महेश दूबे, डॉ. शुभदा पाण्डेय, डॉ. ज्योति सिंह राघव, डॉ. सतीश आमेटा, डॉ. राजश्री कसौधान, डॉ. उमेश गारू, राखी सिंह, राजेश्वरी भाटी, कायनात बानू आदि कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

Jannayak 06-09-2022

# मेवाड़ विश्वविद्यालय में मना शिक्षक दिवस, डॉ. राधाकृष्णन किये गये याद

राजस्थान दर्शन

**चित्तौड़गढ़/गंगरार( अमित कुमार चेचानी)।** किताबें जीवन की सबसे बड़ी पूँजी होतीं हैं। आज के तकनीकी युग में हम किताबें पढ़ना भूल गए हैं। हमें यह याद रखना होगा कि शिक्षक की जगह इन्टरनेट कभी नहीं ले सकता। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस पर सभी विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए ललित कला संकायाध्यक्षा प्रो0 (डॉ0) चित्रलेखा सिंह ने कही। आगे उन्होंने शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें एक अच्छे शिक्षक के गुण भी स्वयं में उत्पन्न करने होंगे। साथ ही समय-समय पर अपने आप को अपडेट करते रहना चाहिए। कार्यक्रम में छात्रों एवं शिक्षकों ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का संचालन उर्वशी श्रोत्रिय और रजनी ठाकुर ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सिविल इन्जीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 एसार अहमद ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना व समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर शशिवेन्द्र दुलावत, अभिषेक उपाध्याय एवं अंशल कुमार मौजूद रहें। इसके इतर डीएलएड विभाग ने भी विभागीय स्तर पर शिक्षक दिवस मनाया। डीएलएड डिपार्टमेंट की विभागाध्यक्षा डॉ0 पूजा गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर डॉ0 अरुणा दुबे, डॉ0 महेश दुबे, डॉ0 शुभदा पाण्डेय, डॉ0 ज्योति सिंह राघव, डॉ0 सतीश आमेटा, डॉ0 राजर्षि कसौधान, डॉ0 उमेश गारू , राखी सिंह, राजेश्वरी भाटी, कायनात बानू आदि कार्यक्रम में उपस्थित रहे तथा छात्रों का उत्साह वर्धन किया ।

दैनिक
न्यूज ज्योति

# मेवाड़ विश्वविद्यालय में मना शिक्षक दिवस, डॉ0 राधाकृष्णन किये गये याद

न्यूज ज्योति

**चित्तौड़गढ़/गंगरार।** किताबें जीवन की सबसे बड़ी पूँजी होतीं हैं। आज के तकनीकी युग में हम किताबें पढ़ना भूल गए हैं। हमें यह याद रखना होगा कि शिक्षक की जगह इन्टरनेट कभी नहीं ले सकता। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस पर सभी विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए ललित कला संकायाध्यक्षा प्रो0 (डॉ0) चित्रलेखा सिंह ने कही। आगे उन्होंने शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें एक अच्छे शिक्षक के गुण भी स्वयं में उत्पन्न करने होंगे। साथ ही समय-समय पर अपने आप को अपडेट करते रहना चाहिए। कार्यक्रम में छात्रों एवं शिक्षकों ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का संचालन उर्वशी श्रोत्रिय और रजनी ठाकुर ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सिविल इन्जीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 एसार अहमद ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना व समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर शशिवेन्द्र दुलावत, अभिषेक उपाध्याय एवं अंशल कुमार मौजूद रहें। इसके इतर डीएलएड विभाग ने भी विभागीय स्तर पर शिक्षक दिवस मनाया। डीएलएड डिपार्टमेंट की विभागाध्यक्षा डॉ0 पूजा गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर डॉ0 अरुणा दुबे, डॉ0 महेश दुबे, डॉ0 शुभदा पाण्डेय, डॉ0 ज्योति सिंह राघव, डॉ0 सतीश आमेटा, डॉ0 राजर्षि कसौधान, डॉ0 उमेश गारू , राखी सिंह, राजेश्वरी भाटी, कायनात बानू आदि कार्यक्रम में उपस्थित रहे तथा छात्रों का उत्साह वर्धन किया ।